



**CSC
BAL
VIDYALAYA**
Technology Enabled Playful Learning



TM

ISO 21000:2018 Certified

CSC BAL VIDYALAYA

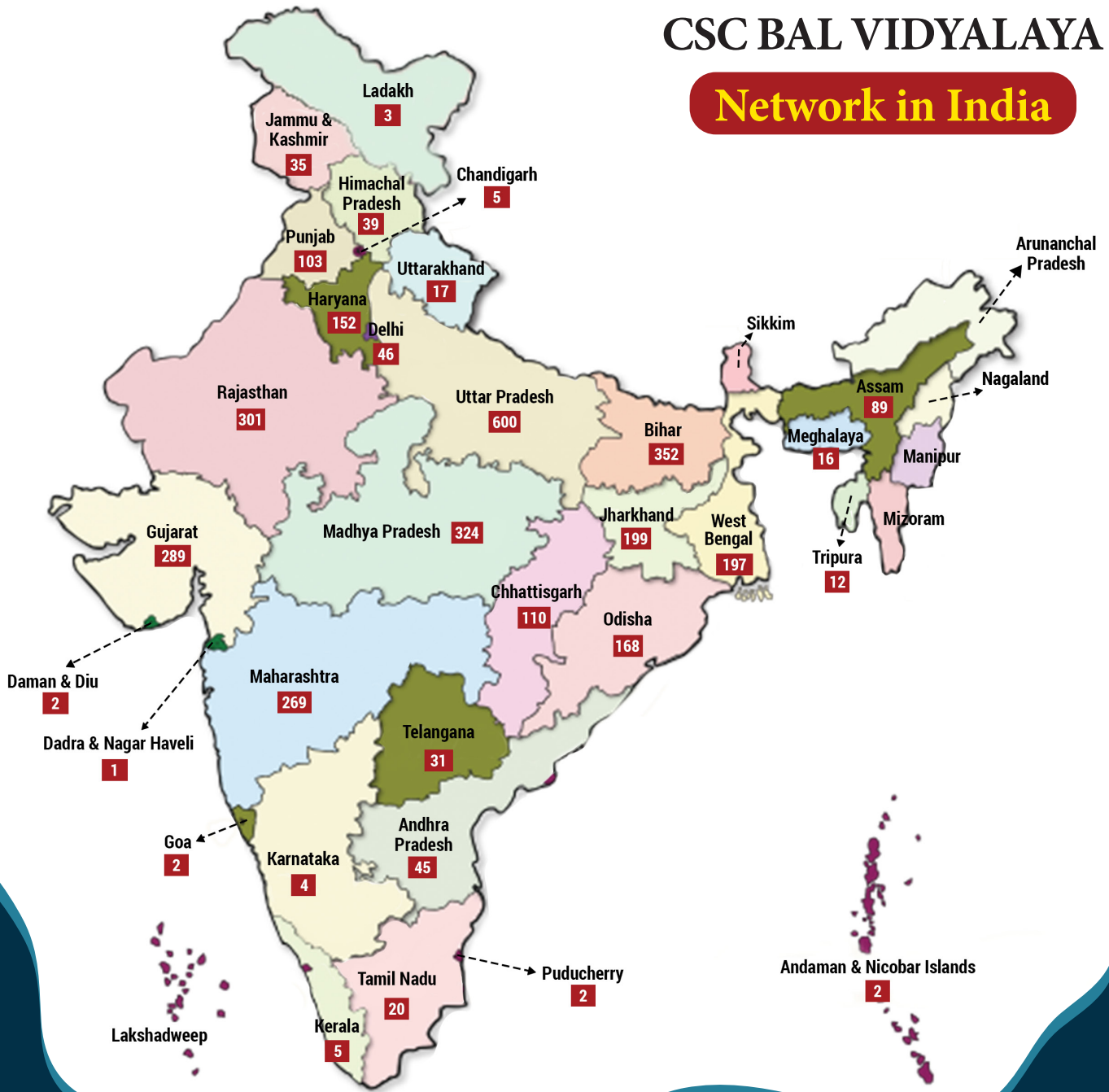
e-Patrika

February 2023



CSC BAL VIDYALAYA

Network in India



3350 CSC Bal Vidyalaya

600 Women Owners

30 States

5012 Educators

580 Districts

17998 Students

2260 Blocks

3590 Trained Educators

CSC Bal Vidyalaya

Since July 2020, an initiative to inspire every child, especially in rural India for overall growth through safe and inclusive Technology - enabled Playful Early Childhood Care and Education in the age group of 3-6 years

CSC Bal Vidyalaya

CSC Bal Vidyalaya is a flagship initiative of CSC Academy. It is the fastest growing network of technology-enabled preschools in India, especially in rural India. It focuses on joyful learning for the children in the age group of 3 to 6 years. These preschools function primarily at Nursery, LKG & UKG levels. CSC Bal Vidyalaya was launched on 6th July 2020. Since then, we have grown to 3350 CSC Bal Vidyalaya across 30 States in country covering 580 Districts as on 28th February 2023. And the journey continues...

At CSC Bal Vidyalaya, we strongly believe in continuous upskilling of educators. With more than 3590 trained educators, CSC Bal Vidyalaya has been able to create a niche in the field of Early Childhood Care and Education. Educator's up-skilling on the new pedagogy and adoption of digital content for playful learning by children is an an integral and ongoing part of our journey.



CSC Bal Vidyalaya of the Month

West Jaintia Hill,
Meghalaya



Ms. Rosemi Sari
Principal, CSCBV

I, Rosemi Seri from Meghalaya, run CSC Bal Vidyalaya in my village Mukhla Nongrim. I am very happy that CSC gave me the opportunity to own CSC Bal Vidyalaya. I appreciate the support and guidance which central team provides us on a regular basis. My educators are also very happy to receive free trainings. It is one of the based technology-enabled preprimary schools in my area.



Mr. Shemboklang
Educator, CSCBV

As CSC Bal Vidyalaya educator, it gives me so much of experiences and motivation to bring the true education to our children. Children are such a diamond to accept knowledge and information blindly but as per the resources of CSC Bal Vidyalaya it make and bring with the change to visualize and evidence for different knowledge and skills which make children's life. As an educator, I have received many such upskilling sessions by various practicing experts in last one year. The sessions have helped me to gain a lot on the pedagogical front.



Ms. Phahlang Sari
Parent

I am feeling very grateful for the teachers who work very hard to make sure of success for the sake of our children. I would like to thank all the teacher and especially the CSC Bal Vidyalaya authority that bring like this opportunity to established a school in our locality to enlighten our children and to make them bright in future.



Mr. Vivek Kumar
Project Head, CSCBV

Rosemi Sari belongs to a very small village in West Jaintia hills of Meghalaya. She has been running CSC Bal Vidyalaya for almost one year. Her zeal to help her village grow is worth appreciating. She is very consistent in her efforts towards helping her educators learn new skills. Her hard work reflects in the smiles which any one can see any time on the faces of children studying in CSC Bal Vidyalaya under her guidance. She is a role model for other VLEs in her state.

CSC Bal Vidyalaya

West Jaintia Hill, Meghalaya



Pic of the Month



CSC Bal Vidyalaya

Owner: Mr. Basanta Thakuria

Location: Barpeta, Assam



Annual Day Celebration at CSC Bal Vidyalaya Karcheliya, Surat, Gujarat

The CSC Bal Vidyalaya's Annual Day was celebrated on 21st February at Karcheliya, Surat, Gujarat.

CSC Bal Vidyalaya was decorated with Lights, Balloons, and colorful Papers. Parents also took part in the function. The Head of CSC Bal Vidyalaya, Mr. Vivek Kumar was the Chief Guest and welcomed by the school principal with a bouquet of flowers. The program began at 4PM, with the principal delivers a welcome speech and shared a short history of the school. The culture program began with beautiful dance presented by nursey class student. Songs were sung by the student, drama items are presented. All the parents and guests enjoyed the whole evening. The function ends with the school captain giving vote of thanks to the Chief Guest and the Parents for sparing their valuable time to be in the school.

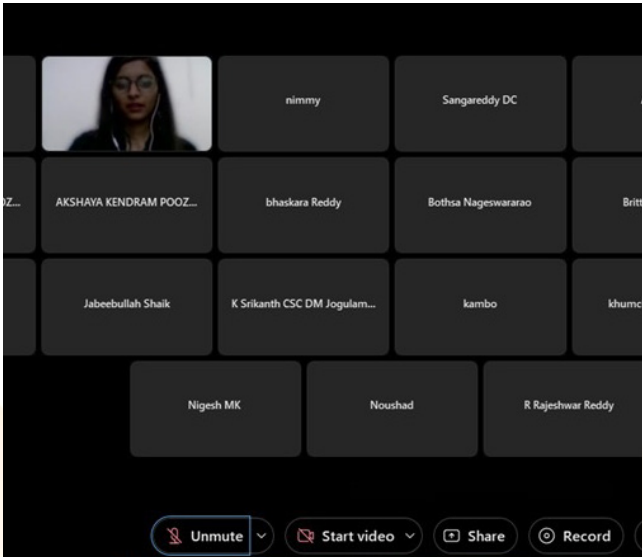
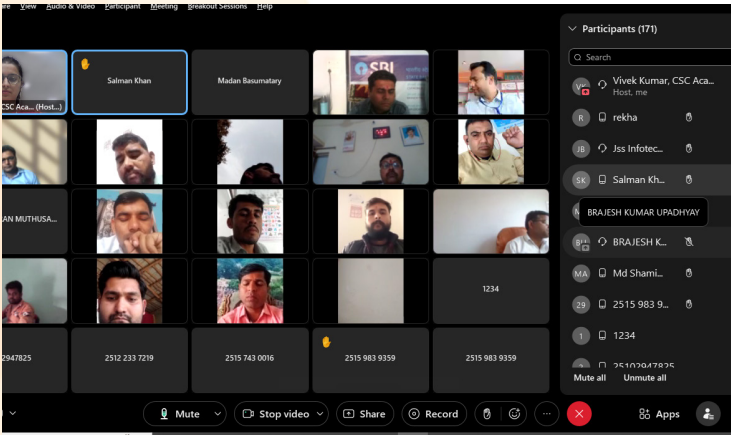
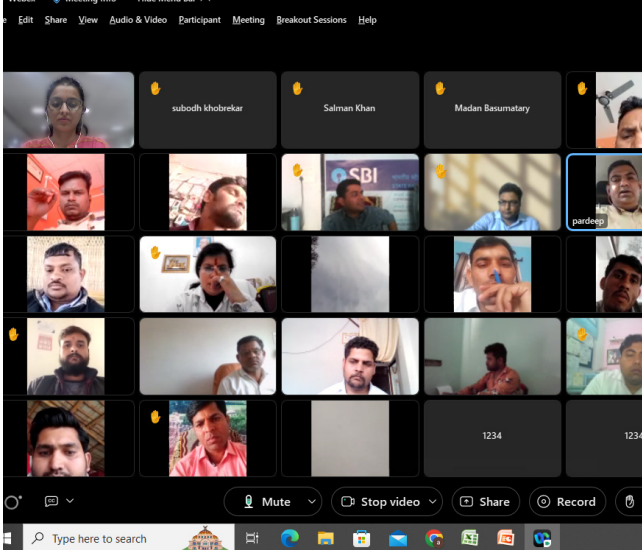


Upskilling Sessions for CSC Bal Vidyalaya

Conducting orientation session for newly approved CSC Bal Vidyalaya is a routine work for us. Every month at least one training is conducted on every second wednesday by central team to equip all newly approved CSC Bal Vidyalaya owners and their educators to understand the objective, model and the modus operandi of CSC Bal Vidyalaya.

The session comprises of all the digital set up and technology required to run CSC Bal Vidyalaya as technology enabled preschools and meet the learning goals outlined by NCERT and NEP 2020.

The sessions have observed huge participation, even the repeated participation of VLEs and their educators. These sessions also offer participants to put up their doubts and queries in the last half an hour, which is being answered by central team with patience.





Media Coverage of CSC Bal Vidyalyaya

सीएससी बाल विद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन



संयोग से केंद्र पर प्रथम क्रिया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकांश ने कमेंट्री करके प्रदर्शन किया। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला।

संयोग से केंद्र पर प्रथम क्रिया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकांश ने कमेंट्री करके प्रदर्शन किया। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला।

१० असमिया प्रतिदिन ■ गुवाहाटी ■ शुक्रवार, २४ फेब्रुवारी, २०२३/११ फागुन, १९८८ शक

छय बहुरब पूर्वे प्रथम श्रेणीत नामभर्ति कबाव नोराबिब शिशुक

प्रथम श्रेणीत नामभर्ति कबाव नोराबिब। २०२३ शिफा बर्षर पवाइ एइ निर्देशना कार्यकरी करिबाले केन्द्रर फालर पवा सकलो बाजा चककाव आक केन्द्रीयशासित अफलसमूहक आह्वान जनोवा हेहे। चककाबी आक बेचककाबी सकलो श्रेणीत विद्यालये एइ निर्देशना कार्यकरी करिब लागिब। केन्द्रीय चककावर बांश्टीय शिफा नीति २०२०र अधीनत शिशुकसकलर मानसिक टाप ह्रास कवा आक शिफण पद्धति अधिक बोधगम्यकबणर उद्देश्ये एइ निर्देशना जाबि करिहे। बांश्टीय शिफा नीति २०२०र अधीनत शिशुकसकलर बाबे पाँचबहुरीया बुनियामी सुबब शिफार कथा केवा हेहे। सेइ अनुसुबि प्रथम श्रेणीत नामभर्तिर पूर्वे तनि बहुर प्राथमिक शिफा प्रदान करिब लागिब। प्रथम श्रेणीत भर्तिर पूर्वे अणनवाठी केन्द्र वा बांश्टिगत खंभ प्राक् प्राथमिक शिफा केन्द्रत शिशुक मानसिक उबेक्

साधनर दिहा करिबाले केवा हेहे। शिफा मञ्जालये बाजासमूहक प्राक् प्राथमिक शिफार दुबहुरीया डिप्ल'मा पाठ्यक्रम चलाइ निबलेओ पबामर्श आगवटाइहे। बाजासमूहक बांश्टिक शिफा गबेवणा आक प्रशिक्षण परिवद (एइ टि आर टि)आक जिला शिफा आक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान (डाउटे)क एइ पाठ्यक्रम प्रख्त करिबाले केवा हेहे। उब्रेका, इयाब पूर्वे पाँच बहुर बयसते शिशुक प्रथम श्रेणीत नामभर्ति करिब पाबिबलि। किश्ट इयाब बिकके बौद्धिक महलत व्यापक चर्चा हे थकार समयते योवा बर्षत उच्चतम न्यायालये अति कम बयसब शिशुक विद्यालये पठिओवा अनुचित वुलि मन्दा करिबलि। शिशुब मनसुब आक मानसिक स्वास्थर प्रति लण्क बाधि कम बयसत अधिक टापब पवा मुक्त बथाब प्रयोजनीयताब विषये मतामत प्रकाश समयते केन्द्रीय चककावे एइ निर्देशना दिरे।

भारतमित्र

BHARATMITRA, KOLKATA, FRIDAY, 23 DECEMBER, 2022

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन



वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन। इस दौरान उपस्थित अधिकांश ने कमेंट्री करके प्रदर्शन किया। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन। इस दौरान उपस्थित अधिकांश ने कमेंट्री करके प्रदर्शन किया। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला। प्रथम क्रिया करने वाले बच्चे को प्रथम क्रिया करने का अवसर मिला।

बच्चों को डिजिटल इंडिया से जोड़ने में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित

कांठ। लहसील क्षेत्र निवासी गांव सहसपुरी शान पुत्र मोहम्मद फराहीम को छोटें बच्चों को डिजिटल इंडिया से जोड़ने के लिए राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने लखनऊ में टैबलेट देकर सम्मानित किया गया। बता दें कि शिक्षा के क्षेत्र में शान ने क्षेत्र के छोटें बच्चों को भी डिजिटल इंडिया से जोड़ने का कार्य किया है। वह कई साल से यह कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अपना यह अभियान जारी रखने का आश्वासन दिया।



सी यस सी बाल विद्यालय कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ-उत्तर प्रदेश को राजधानी लखनऊ में शुरूआती को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) भारत सरकार की अग्रिम संध्या सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया सर्विसेज, जो कि देश में डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने जाने के उद्देश्य से एक स्पेशल परपज क्वीकल (CSC-SPV) के रूप में कार्य कर रही है। सीएससी-एसपीवी द्वारा संचालित कॉमन सर्विसेस सेंटरों के माध्यम से विभिन्न सरकारी सेवाएं सरकारी डिजिटल सेवाओं स्थानीय नागरिकों के मध्य सहजता से उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। विभागगत के संबंध में अद्यतन कराना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अंगीकार करते हुए सीएससी-एसपीवी द्वारा राज्य में अब तक 555 से अधिक सीएससी-बाल विद्यालयों को संचालित कर स्थायित व संचालित करने का कार्य किया जा है। निम्नक्रम में सम्पूर्ण राज्य से 223 श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बाल विद्यालय संचालकों को प्रोत्साहित व पुरस्कृत करने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर मुख्य अतिथि श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम, माननीय राज्यमंत्री ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम्य विकास तथा ग्रामीण अनिवार्य- उत्तर प्रदेश सरकार, श्री डॉ.के.एस. चौधरी (अतिरिक्त) निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवाशिक्षण उत्तर प्रदेश सरकार तथा श्री अश्विनी राम शेट्टी ईडि सीएससी-एसपीवी की परिचयार्थ अतिथि में निदेशक 6-जनवरी 2023 को एक कार्यक्रम के आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। सीएससी के स्टेट ईडि अतिथि रूप में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सीएससी-एसपीवी द्वारा किया जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में विस्तार से बहस। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने बताया कि सीएससी द्वारा डिजिटल इंडिया के सपनों को प्रदेश सहित सम्पूर्ण देश में सही

मायने में आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान बाबू-गुण, बागवतों-बाबां सुबुला, देविणा-प्रदीप कुमार, गोखुर-नेहलकर सिंह, हापुड़-तनुषा मुन्कर, हरेद्वी-मन मोहन शुक्ल, हरेद्वी-ओम प्रकाश, खी-वना तिवारी, सोनभद्र-धारा राय, सोनभद्र-रविश्या बेगम को माननीय मंत्री के हार्थ टैबलेट दिया गया, इसके अतिरिक्त कुल 223 बाल विद्यालय संचालकों को टैबलेट दिया गया। सीएससी मुख्यालय से पधार सीएससी बाल विद्यालय परियोजना प्रमुख विवेक कुमार ने सीएससी बाल विद्यालय के विषय में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आने से लगभग 350 से अधिक सीएससी (सामूहिक सर्विसेज इंडिया) को बाल विद्यालय में उपयोग करने वाले सचिव-असिस्टेंट और ऑफिसियल तकनीकी के माध्यम से विषय प्रकाश से शिक्षा दी जाती है के विषय में जानकारी दे बहस गया। सीएससी बाल विद्यालय के संबंध में सीएससी बाल विद्यालय सीएससी आकाश की एक प्रमुख पहल है। यह पहल में प्रौद्योगिकी-सहय प्रौद्युक्त विद्या का सबसे तेजी से बढ़ावा देकर है। विशेष रूप से स्मार्ट रूप से विकसित भारत में है। यह 2.5 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आनंदपूर्ण शिक्षा प्रोत्साहित है। ये प्रमुख रूप से नर्सरी और केंडी या एलकेजी और यूकेजी में काम करते हैं। सीएससी बाल विद्यालय में, हम शिक्षकों के निरंतर अपेक्षितिंग में दृढ़ता से

केन्द्रब नतुन निर्देशना

छय बहुरब पूर्वे प्रथम श्रेणीत नामभर्ति कबाव नोराबिब शिशुक

प्राक-प्राथमिक शिक्षाब दुबहुरीया डिप्ल'मा पाठ्यक्रम प्रबर्तनबो निर्देशन नतुन दिह्नी, २३ फेब्रुवारी : प्रथम श्रेणीत शिशुब नामभर्तिर केफ्रेत नूनतम बयस निर्धारण करि दिले केन्द्रीय चककावे। केन्द्रीय चककावे शिफा मञ्जालये बुधवाबे प्रकाश कबा एइ सम्पकीय निर्देशना अनुसुबि नूनतम छय बहुर नह'ले शिशुब एतियाब पवा

जिज्ञान लखनऊ में सम्मानित

सहसपुर। स्थानीय निवासी परकार जिज्ञान उर्फ शान सहसपुरी को लखनऊ में राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विजय लक्ष्मी गौतम के द्वारा एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। उन्होंने डिजिटल इंडिया के क्षेत्र में कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया।



Glimpses of Activities at Various CSC Bal Vidyalaya



CSC Bal Vidyalaya Owner: Ms. Gulnaz
Location: Delhi, West Delhi



CSC Bal Vidyalaya Owner: Mr. Basanta Thakuria
Location: Assam, Barpeta



CSC Bal Vidyalaya Owner: Mr. Krishna
Location: Dibrugarh, Assam



CSC Bal Vidyalaya Owner: Mr. Bibhuti Bhusan Swain
Location: Ganjam, Odisha



CSC Bal Vidyalaya Owner: Mr. N. K Bag
Location: Balangir, Odisha



CSC Bal Vidyalaya Owner: Mr. Anup kumar Deb
Location: Khowai, Tripura

Glimpses of Activities
at CSC Bal Vidyalaya
Owner: Mr. Lal Kapoor
District: Bhiwani,
State: Haryana



Glimpses of Activities
at CSC Bal Vidyalaya
Owner: Mr. Harshdeep
District: Faridkot,
State: Punjab



*Technology
enabled Playful
Learning in
CSC Bal Vidyalaya*



**CSC Bal Vidyalaya
A Step Towards Rural Transformation**

“

You can teach a student a lesson for a day; but if you can teach him to learn by creating curiosity, he will continue the learning process as long as he lives.

-Clay P. Bedford

”



CSC BAL VIDYALAYA

Technology Enabled Playful Learning

Share your CSC Bal Vidyalaya Stories
All CSC Bal Vidyalaya Owners and Educators
may send their Stories, activity photos at

cscbalvidyalaya@cscacademy.org

Mention your CSC Bal Vidyalaya address,
your full name, designation,
contact details.